

हिंदी

~ अंशवीर बिंद्रा

द.बी

नामः अंरावीर
बिंद्रा

कक्षा: ६ - B
विषय: हिंदी -
चित्र कहानी
लेखन

Roll No: 5



वीरू हाथी और तनु चिड़िया

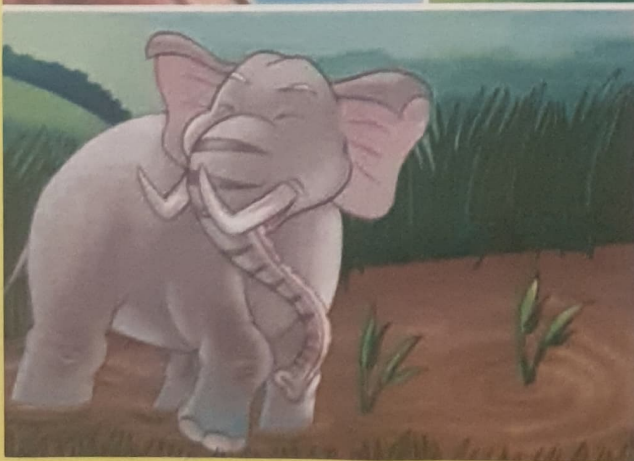
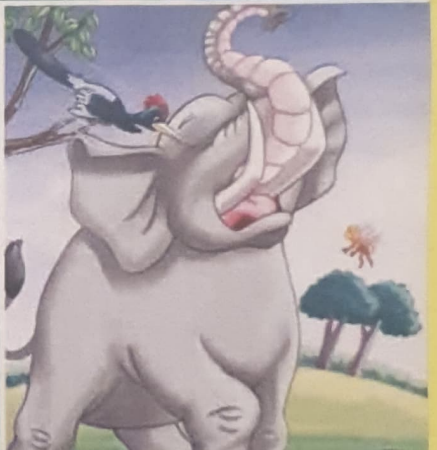
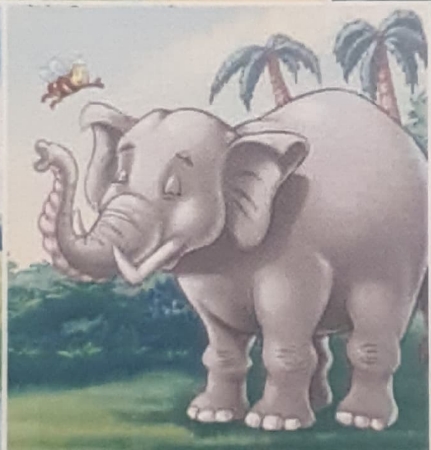
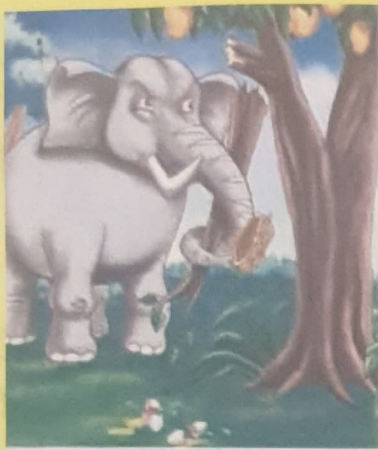
रामपुर गाँव में एक घना जंगल था जहाँ कई पशु-पक्षी मिलजुलकर रहते थे। वहाँ एक हाथी भी था जिसका नाम वीरू हाथी था।

वीरू हाथी बहुत ही शरारती था और उसे क्रोध भी बहुत आता था। एक दिन गुस्सेल वीरू हाथी जंगल में आस-पास के पेड़-पौधे को रौंदते हुए तोड़-फोड़ करने लगा।

वह एक लंबे पेड़ की ओर पहुँचा जहाँ तनु चिड़िया का घोंसला था जिसमें उसने चार अंडे दिए थे। वीरू हाथी ने अपनी सूड़ से घोंसले को पेड़ से गिरा दिया और घोंसले के साथ-साथ चारों अंडे भी जमीन पर गिरकर टूट गए।

तनु चिड़िया यह देखाकर बहुत दुखी हुई और रोने लगी। तब पिकी चिड़िया ने उसे समझाया। जंगल में उसे रोता देखकर एक सुंदर नीले रंग की चिड़िया उसके पास आई और रोने का कारण पूछने लगी। इसपर तनु चिड़िया ने सारी बात बताई। नीली चिड़िया ने उसे मदद को भरोसा दिलाया और अपनी सहेली चिंदू मधु मक्खी की सहायता ली और वीरू हाथी को सबक सिखाने की योजना बनाई।

ਭਾਈ ਜੀ ਟੁੱਟ ਗਏ ਭਿਓਂ ਸੀ



ਭਾਈ ਜੀ ਟੁੱਟ ਗਏ ਭਿਓਂ ਸੀ
ਭਾਈ ਜੀ ਟੁੱਟ ਗਏ ਭਿਓਂ ਸੀ
ਭਾਈ ਜੀ ਟੁੱਟ ਗਏ ਭਿਓਂ ਸੀ

योजना के अनुसार जैसे ही चिटू मधुमक्खी ने वीरू हाथी को आराम करते हुए देखा, वह उसके कानों में गुनगुनाने लगा। वीरू हाथी ने आँखें बंद कर लीं। तब निलीचिड़िया ने आकर हाथी की होठों आँखों में चोंच मार दी जिससे वीरू हाथी हृदय से काराहनी लगा और ऊपर-ऊपर चलने लगा।

चिटू मधुमक्खी ने मेंढक को इशारा किया और मेंढक अपनी पुलतन के साथ एक झील के पास तराने लगा। तराने की आवाज सुनकर वीरू हाथी को लगा की वह किसी तालाब के पास पहुँच गया है और अपनी आँखें धोने के लिए वह उस ओर भागने लगा। भागते-भागते वह झील में गिरकर फँस गया और मदद के लिए चिल्लाने लगा। तब वहाँ तबू चिड़िया आई और उसने कहा, “देखा, तुमने मेरे घोसले को तोड़ा उसमें पड़े मेरे अंडे को भी तोड़ दिया। तुमने अछूता नहीं किया। तुम्हारे बुरे कार्य की सजा तुम्हें मिल गई।”

सीख:-

१) बुरे का अंत बुरा ही होता है।

२) अगर कमजोर भी एकजुट होकर काम करें तो अपने शत्रु को पराजित कर सकते हैं।